Hindi Muhavare Aur Arth (हिंदी मुहावरे और अर्थ)

Hindi Muhavre (हिंदी मुहावरे):

Sr. No.	हिंदी मुहावरे	अर्थ	वाक्य में प्रयोग
1	अपने पाँव में आप कुल्हाड़ी मारना	जानबूझकर मुसीबत में पड़ना	तुमने तो अपने पाँव में आप ही कुल्हाडी मारी है, अब मुझे क्यों दोष देते हो?
2	अढ़ाई चावल की खिचड़ी अलग पकाना	अलग रहना	कुछ वर्ष पहले पाकिस्तान अढ़ाई चावल की खिचडी अलग पका रहा था|
3	अपना सा मुँह लेकर रह जाना	किसी काम में असफल होने पर लज्जित होना	जब वह निर्दोष श्याम को मुकदमे में नहीं फसा सका तो अपना सा मुँह लेकर रह गया|
4	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी बड़ाई आप करना	अपने मुँह मियाँ मिट्लू बननेवाले को समाज में इज्जत नहीं मिलती|
5	अरमान निकालना	हौसला पूरा करना	बेटें की शादी में बाबू साहब ने अपने दिल के अरमान निकाले||
6	अरमान रहना (या रह जाना)	इच्छा पूरी न होना	इकलौते बेटे के अचानक मर जाने से उस गरीब के सारे अरमान रह गये|
7	आँख उठाकर न देखना	ध्यान न देना, तिरस्कार करना	मैं उनके पास काम के लिए गया था, परंतु उन्होंने मुझे आँख उठाकर भी न देखा|
8	आँख का काँटा होना	खटकना, शत्रु होना	अपनी काली करतूतों के कारण वह पड़ोसियों की आँख का काँटा हो गया है|
9	आँख का काजल चुराना	सफाई के साथ चोरी करना	इतने लोगों के बीच से घड़ी गायब ! चोर ने तो जैसे ऑखों का काजल ही चुरा लिया है
10	आँख का तारा, आँख की पुतली	बहुत प्यारा	यह बच्चा मेरी आँखों का तारा है|
11	आँख दिखाना	क्रोध से देखना, रोकना, धमकाना	गलती भी करते हो और ऊपर से ऑखें भी दिखाते हो|

12	आँखों में धूल झोंकना	सरे आम धोखा देना	परीक्षक की आँखों में धूल झोंककर कुछ विद्यार्थी अच्छे अंक तो पा जाते हैं, परंतु इससे उन्हें जीवन में सफलता नहीं मिलती
13	आँखों पर चढ़ना	पसंद आ जाना, किसी चीज के लिए लोभ होना	तुम्हारी घड़ी चोर की आँखों पर चढ़ गयी थी, इसलिए मौका पाते ही उसने चुरा ली|
14	आखें फेर लेना	पहले जैसा व्यवहार न रखना	जब से उसे अफसरी मिली है, उसने माँ बाप, यार दोस्त सबसे आँखें फेर ली है
15	ऑखें बिछाना	प्रेम से स्वागत करना, बाट जोहना	तुम्हारी राह में आँखें बिछाये कय से बैठा हूँ तुम जल्द आ जाओ
16	आँख में पानी न होना	बेहया, बेशर्म होना	बेईमान लोगों की आँखों में पानी नहीं होता
17	आँखों में खून उतरना	अत्यधिक क्रोध होना	जयचंद को देखते ही महाराज पृथ्वीराज की आँखों में खून उतर आया
18	आँखों में गड़ना (या चुभना)	बुरा लगना, पसंद आना	तुम्हारी कलम मेरी आँखों में गड़ गयी है, इसे तुम मुझे दे दी
19	आँखों में चरबी छाना	घमंड होना	दौलत हाथ में आते ही उसकी आँखों में चरबी छा गयी और वह अपने रिश्तेदारों से बुरा व्यवहार करने लगा
20	आँखे लाल करना	क्रोध से देखना	आँखें लाल मत करो, इससे मैं डरनेवाला नहीं

21	आँखे सेंकना	दर्शन का सुख उठाना	बहुत से नवयुवक तो मेले ठेले में सिर्फ आँखे सेंकने ही आते हैं
22	आँच न आने देना	थोड़ा भी आघात न होने देना	इस झमेले में मेरे दोस्त रवि ने मुझ पर जरा सी भी आँच न आने दी
23	आटे दाल का भाव मालूम होना	कठिनाइयों का ज्ञान होना	तुम्हारे ऊपर जब जिम्मेवारियाँ आयेंगी तभी तुम्हें ऑटे दाल का भाव मालूम होगा
24	आँसू पीकर रह जाना	दु:ख अपमान को बर्दास्त कर लेना	सबके सामने जली कटी सुनकर भी वह आँसू पीकर रह गया
25	आकाश के तारे तोड़ लाना	असंभव काम करना	तुम्हें नौकरी क्या मिली, लगता है आकाश के तारे तोड़ लाये हो
26	आकाश पाताल एक करना	खूब परिश्रम करना	तुम्हें नौकरी दिलाने के लिए विकास ने आकाश पाताल एक कर दिया था
27	आग पर पानी डालना	शांत करना	दोनों मित्रों के बीच काफी गरमा गरमी हो गयी थी, पर दीदी की बातों ने आग पर पानी डाल दिया
28	आग में घी डालना	झगड़ा बढ़ाना	रमेश, तुम गोवर्धन की बातों में मत आना, उसका तो काम ही है आग में घी डालना
29	आग में कूदना	जानबूझकर मुसीबत में पड़ना	साहसी व्यक्ति खतरों से डरते नहीं, वे आग में भी कूद पड़ते हैं
30	आग बबूला होना	बहुत क्रुध होना	राम की अनाप शनाप बातें सुनकर मोहन आग बबूला हो गया

31	आग लगने पर कुआँ खोदना	विपत्ति आ जाने पर प्रतिकार का उपाय खोजना	बीमारी की इस अंतिम अवस्था में दूर शहर से डॉक्टर बुलाने की बात सोचना आग लगने पर कुआँ खोदने जैसा है
32	आटा गीला करना	घाटा लगाना	औने पौने दामों में इन्हें बेचकर क्यों अपना आटा गीला कर रहे हो ?
33	आधा तीतर आधा बटेर	बेमेल, बेढंगा	पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय सभ्यता संस्कृति को आधा तीतर आधा बटेर बना दिया है
34	आपे से बाहर होना	क्रोधित होना	इतनी सी बात प ही मास्टर साहब आपे से बाहर
35	आबरू पर पानी	प्रतिष्ठा नष्ट होना	तुम्हारी बेवकूफी के कारण ही मेरी आबरू पर पानी फिर गया

	फिरना		
36	आवाज उठाना	विरोध करना	सरकार के खिलाफ आवाज उठाना एक साधारण बात हो गयी है
37	आसमान सिर पर उठाना	उपद्रव करना	इतनी छोटी सी बात पर उसने आसमान सिर पर उठा लिया था
38	आसमान से बातें करना	बहुत ऊँचा होना	देवघर के मंदिर का शिखर आसमान से बातें कर रहा है
39	आस्तीन का साँप	मित्र के रूप में शत्रु	उस पर कभी भरोसा मत करना, वह तो आस्तीन का साँप है
40	इधर उधर करना	टालमटोल करना	अब ज्यादा इधर उधर करना बंद करो, चुपचाप मेरी पुस्तक मुझे लौटा दो
41	इधर की दुनिया उधर होना	अनहोनी बात होना	चाहे इधर की दुनिया उधर हो जाय, मैं तुम्हारे यहाँ नहीं जानेवाला हूँ
42	इधर की उधर करना	चुगली करना	उसके सामने यह सब क्यों कहते हो ? उसकी तो आदत ही है इधर की उधर करने की
43	ईट से ईट बजान	अंतिम दम तक लड़ना, बर्बाद करना	मैं उसकी ईंट से ईट बजा ट्रॅगा, पर हार नहीं मानूगा
44	ईंट का जवाब पत्थर से देना	दुष्टों के साथ दुष्टता का व्यवहार करना	वे लोग हमारे आदमियों को पीटकर तीसमार खाँ बने घूमते हैं, पर यह नहीं जानते कि हमें भी ईंट का जवाब पत्थर से देना आता है
45	ईद (दूज) का चाँद होना	मुश्किल से दिखाई देना	बहुत दिनों से मिले नहीं मोहन, तुम तो आजकल ईद का चाँद हो गये हो
46	उड़ती खबर	अफवाह	यह उड़ती खबर है, इस पर विश्वास पत करना
47	उल्लू का पट्ठा	निरा बेवकूफ	उस जैसा उल्लू का पट्ठा भी कहीं अक्ल से काम लती हैं।
48	उल्लू बनाना	बेवकूफ बनाना	उसे तुम उल्लू नहीं बना सकते, वह बड़ा चतुर है
49	उल्लू सीधा करना	काम निकालना	नेताजी की खुशामद करके आखिर उसने अपना उल्लू सीधा कर ही लिया
50	उधेड़बुन में पड़ना	सोच विचार में पड़ना	अचानक किसी समस्या के आ जाने पर कोई भी व्यक्ति उधेड़ बन में पड़ जाता है

51	उल्टी गंगा बहाना	असंभव काम करना	इस गदहे को पढ़ाना उल्टी गंगा बहाने के समान है
52	उल्टे अस्तुरे से मूड़ना	मूर्ख बनाकर ठगना	उस ठग ने आज मुझे उल्टे अस्तुरे से मूड़ लिया
53	उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना	थोड़ा सा लेकर पूरा लेने की इच्छा करना	'मोहनलाल से सावधान रहना ही अच्छा है, वह उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़नेवाला आदमी है
54	उँगली पर नचाना	वश में करना	आपके अधीन हूँ इसका मतलब यह नहीं है कि आप हर समय मुझे ऊँगली पर नचाते रहें
55	न उधी का लेना न माधो का देना	किसी से कोई संबंध नहीं रखना	चाहे जो कहो, श्याम है खरा आदमी वह न ऊधी का लेता है न माधी को देता है
56	एँड़ी चोटी का पसीना एक करना	बहुत मेहनत करना	इस काम को समय पर पूरा करने के लिए उसे एँड़ी चोटी का पसीना एक करना पड़ा है
57	एक आँख न भाना	जरा भी अच्छा न लगना	अपनी बेटी के साथ तुम्हारा ऐसा दुव्र्यवहार मुझे एक आँख भी नहीं भाता है
58	एक एक ग्यारह होना	एकता के सूत्र में बँधकर शक्तिशाली होना	शत्रुओं ने दोनों भाइयों को खूब सताया, लेकिन अब वे दोनों भाई मिलकर एक एक ग्यारह हो गये हैं अब वे अपने शत्रुओं का डटकर मुकाबला करेंगे

59	एक टाँग (पैर) पर खड़ा रहना	काम करने के लिए सदा तैयार रहना	जब तक बहन की शादी सम्पन्न नहीं हुई, भूषण एक टाँग पर खड़ा रहा
60	एक लाठी से हाँकना	सबके साथ एकसमान व्यवहार करना	सबको एक लाठी से हाँकना बुद्धिमानी नहीं है
61	एक हाथ से ताली न बजना	बिना सहयोग के काम का नहीं होना	एक हाथ से ताली नहीं बजती, गलती दोनों ने की है
62	ऐसी तैसी करना	बेइज्जत करना	सब के सामने ही देवेंद्र ने अपने बड़े भाई की ऐसी तैसी कर दी
63	ओखल में सिर देना	जान बूझकर मुसीबत में पड़ना	जब ओखल में सिर दे दिया है, तब मूसल की क्या परवाह
64	औधी खोपड़ी का होना	मूर्ख होना	उसे समझाना ही बेकार है, वह बिल्कुल औधी खोपड़ी का आदमी है
65	औधे मुँह गिरना	बुरी तरह धोखा खाना	इस बार की खरीदारी में बेचारे की एक न चली, उलटे वह औधे मुँह गिरा
66	कटक बनना	बाधक होना	तुम तो मेरे हर काम में कटक बन जाते हो
67	ककड़ी खीरा समझना	महत्वहीन समझना	वे गरीब हैं तो क्या हुआ, आदमी तो हैं, उन्हें तुम ककड़ी खीरा मत समझा करो
68	कटे (जले) पर नमक छिड़कना	दु:ख बढ़ाना	बेचारी एक तो ऐसे ही दुखों से
69	कफन सिर से बाँधना	मौत या खतरे की परवाह नहीं करला	बहुतेरे नवयुद्ध कफन सिर से बाँधकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े थे
70	कमर कसना	तैयार होना	यदि युद्ध में विजय चाहते हो तो मरने मारने के लिए कमर कस लो
71	कमर टूटना	उत्साहहीन होना, असहाय होना	सीमा संघर्ष में अपने सैनिक साज सामान को बर्बाद होते देखकर पाकिस्तानी फौज की कमर ही टूट गयी
72	कलेजा का टुकड़ा	बहुत प्यारा	सौमित्र अपनी माँ के कलेजे का टुकड़ा था
73	कलेजा चीरकर दिखाना	पूरा विश्वास देना, कोई कपट न रखना	तुम्हारे लिए दिल में कितना प्यार है, यह मैं कलेजा चीरकर दिखा सकता हूँ
74	कलेजा टूक टूक होना	बहुत दु:ख होना	कैकेयी की बात सुनते ही महाराज दशरथ का कलेजा टूक टूक हो गया
75	कलेजा ठंढा होना	संतोष होना	राम के वन जाते ही दासी मंथरा का कलेजा ठंढा हा गया
76	कलेजा थामकर रहना	मन मसोसकर रहना	परशुराम की जली कटी बातें सुनकर लक्ष्मण को बहुत क्रोध हुआ, किंतु श्री राम के समझाने बुझाने पर वे कलेजा थामकर रह गये
77	कलेजा निकालकर रख देना	सच्ची बात कह देना	मैंने कलेजा निकालकर रख दिया, फिर भी तुम्हें विश्वास नहीं होता ?
78	कलेजा मुँह को आना	घबराना	उसकी विपत्ति की कहानी सुनकर कलेजा मुँह को आ जाता है
79	कलेजे पर साँप लोटना	ईष्या या जलन होना	मेरी तरक्की देखकर उसके कलेजे पर साँप लौट गया है, इसलिए उसने मेरे बारे में गलत प्रचार करना शुरू कर दिया है
80	काठ की हाँड़ी	अस्थायी चीज	इस बार तो तुम्हारी चाल सफल हो गयी, लेकिन काठ की हाँडी बार बार चूल्हे पर नहीं चढ़ती
81	कान ऐंठना	सुधरने की प्रतिज्ञा करना	मैं कान ऐंठता हूँ कि अब ऐसे गलत काम कभी नहीं करूंगा
82	कान काटना	मात करना	बुद्धि में तो वह वृहस्पति के भी कान काटता है
83	कान पर जूं न रेंगना	कुछ भी ध्यान न देना	मैं इतनी देर से चिल्ला रहा हूँ, लेकिन तुम्हारे कान पर जू तक नहीं रेंगती
84	कान भरना	शिकायत करना	आज कई दिनों से वह मुझसे बात तक नहीं करता, लगता है कि

			किसी ने मेरे विरुद्ध उसके कान भर दिये हैं
85	कान में तेल डालकर बैठना	ध्यान न देना	इतनी देर से बुला रहा था, लेकिन तुम तो कान में तेल डालकर बैठे थे
86	काम आना	वीरगति को प्राप्त होना	नेप्फा की लड़ाई में चीन के बहुतेरे सिपाही काम आये
87	काम तमाम करना	मार डालना	शिवाजी ने अपने बघनखे से अफजल खाँ का काम तमाम कर दिया
88	कीचड़ उछालना	निंदा करना, बदनाम करना	भले आदमियों पर व्यर्थ कीचड़ उछालने की तो उसकी पुरानी आदत है
89	कील काँटे से दुरुस्त होना	अच्छी तरह से तैयार होना	आज मैं अपना काम पूरा था किये बगैर नहीं रहूँगा, क्योंकि आज मैं कील काँटे से दुरुस्त होकर आया हूँ
90	कुएँ में भाँग पड़ना	सब की बुद्धि मारी जाना	किस किस को समझाया जाय यहाँ तो कुएँ में ही भाँग पड़ी है
91	कुत्ते की मौत मरना	बुरी तरह मरना	अगर तुम्हारी ऐसी ही आदतें बनी रहीं, तो तुम कुत्ते की मौत मरोगे
92	कुम्हड़े की बतिया	कमजोर आदमी	रमेश ने नरेश को बिल्कुल कुम्हड़े की बतिया ही समझ लिया है, बात बात में उसे धमकाते रहता है
93	कुहराम मचाना	खूब रोना पीटना	बंगाली बाबू की मौत की खबर आते ही उनके घर में कुहराम मच गया
94	कौड़ी का तीन होना	बहुत सस्ता होना, बेकदर होना	तुम जैसे आवारा के साथ रहकर वह भी कौड़ी का तीन हो गया
95	खबर लेना	दंड देना, देखभाल करना	रामप्रसाद, तुम्हारी काफी शिकायतें सुनने को मिल रही हैं, आज शाम को मैं तुम्हारी खबर लुंगा
96	खाक उड़ाते फिरना	भटकना	अपनी सारी जमा पूँजी बर्बाद करके अब वह खाक उड़ाते फिर रहा है
97	खाक में मिलना	बर्बाद हो जाना	खुदा की बुराई करोगे तो खाक में मिल जाओगे
98	खिलखिला पड़ना	खुश होना, खुलकर हँस पड़ना	खिलौनों को देखते ही गुड़िया रानी खिलखिला पडी
99	खुशामदी टट्टू होना	चापलूस होना	तुम्हारी क्या तुम तो खुशामदी टट्टू हो, किसी न किसी तरह अपना काम करवा ही लोगे
100	खून की नदी बहाना	बहुत मार काट करना	क्रूर नादिरशाह ने दिल्ली में खून की नदी बहा दी थी

101	खून खौलना	बहुत क्रोध होना	दु:शासन द्वारा द्रौपदी को अपमानित होते देखकर भीम का खून खौलने लगा
102	खेत आना	लड़ाई में मारा जाना	1971 के युद्ध में पाकिस्तान के हजारों सैनिक खेत आये
103	ख्याली पुलाव पकाना	बेसिर पैर की बातें करना, असंभवं बातें सोचना	कुछ काम भी करोगे या सिर्फ ख्याली पुलाव ही पकाते रहोगे ?
104	गड़े मुर्दे उखाड़ना	पुरानी बातें सामने लाना	मेरा काम गड़े मुर्दे उखाड़ना नहीं है, लेकिन पूरी बात समझाने के लिएँ इस घटना का इतिहास तो मुझे बताना ही होगा
105	गड्ढे खोदना	दूसरे के नुकसान के लिए जाल बिछाना	जो दूसरों के लिए गड्ढे खोदता है, वह उसमें खुद गिरता है
106	गहरी छनना	गाढ़ी मित्रता होना	इन दिनों राम और श्याम में गहरी छन रही है
107	गाँठ बाँधना	अच्छी तरह याद रखना	पिताजी की सीख गाँठ बाँध लो, नहीं तो बाद में बहुत पछताओगे गाँठ का पूरा होना
108	गिरगिट की तरह रंग	बहुत जल्दी जल्दी विचार	उसकी बात का क्या भरोसा ? वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलता

	बदलना	बदलना	रहता है
109	गुड़ गोबर करना	बना बनाया काम बिगाड़ देना	बड़ी मुश्किल से मैंने उसे इस काम के लिए तैयार किया था, लेकिन तुम्हीं ने आकर सारा गुड गोबर कर दिया
110	गुल खिलाना	अनोखे काम करना	ऐन मौके पर उसने ऐसा गुल खिलाया कि लोगों के होश गुम हो गये
111	गाजर मूली समझना	छोटा या कमजोर समझना	हम अपने दुश्मनों को गाजर मूली समझते हैं
112	गोटी लाल होना	लाभ होना	तुम्हारी क्या, अब तो तुम्हारी गोटी लाल हो रही है
113	गोली मारना	उपेक्षा से त्याग देना	बेकार की बातों की गोली मरो, अपने काम में मन लगाओ
114	गोलमाल करना	गड़बड़ करना	बड़ा बाबू आफिस में बहुत दिनों से कुछ गोलमाल कर रहे थे, आज पकड़ में आये हैं
115	घड़ों पानी पड़ जाना	अत्यधिक शर्मिदा होना	उसने काम ही ऐसा किया है कि जब भी मैं उसकी चर्चा करता हूँ, मूझ पर घड़ों पानी पड़ जाता है
116	घर का न घाट का	एकदम बेकार, अनुपयोगी	इधर नौकरी छूटी उधर पिताजी का साया सिर से उठ गया, बेचारा अभय अब न तो घर का रहा न घाट का
117	घाट घाट का पानी पीना	बहुत अनुभवी होना	रघु को ठगना आसान नहीं, वह घाट घाट का पानी पी चुका है
118	घुटना टेक देना	हार मान लेना	भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से परेशान होकर ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों के आगे घुटने टेक दिये
119	घुला घुला कर मारना	परेशान करके मारना	कठोरहृदया सास ने बेचारी रमा बहू को घुला घुला कर मार डाला
120	घोड़ा बेचकर सोना	निश्चित होकर सोना	वह तो बिल्कुल बेखबर था, जैसे घोड़ा बेचकर सोया हो
121	चंगुल में आना (पड़ना)	काबू में आना	उसे पहले मेरे चंगुल में पड़ने दो, फिर देखना कैसा मजा चखाता हूँ
122	चडाल चौकड़ी	दुष्टों का दल, मनचलों का जमघट	वह तो अपनी चंडाल चौकड़ी में ही मस्त है, मेरी क्या खाक सुनेगा ?
123	चक्कर में डालना	परेशान करना	उसने मुझसे रुपये लेकर मुझे चक्कर में डाल दिया
124	चक्कर में आना	धोखा खाना	न जाने कैसे वह उस धूर्त के चक्कर में आ गया
125	चकमा देना	ठगना	नंदलाल से सावधान रहना, वह तुम्हें भी चकमा दे सकता है
126	चल निकलना	प्रसिद्ध होना, जम जाना	इन दिनों चुस्त पोशाक का फैशन खूब चल निकला है
127	चाँदी काटना	खूब कमाना, मौज करना	गल्ले के व्यापार में वे खूब चाँदी काट रहे हैं
128	चाँदी का जूता मारना	घूस देना	इस युग में जिसे भी चाँदी का जूता मारोगे, वही तुम्हारा काम कर देगा
129	छाती पर मूंग दलना	किसी के सामने ही ऐसी बात कहना, जिससे उसका जी दुखें	जितना जी चाहे मुझे सता लो, लेकिन मैं जबतक जिंदा रहूँगी, तुम्हारी छाती पर मूंग दलती रहूँगी
130	छाती पर साँप लोटना	ईष्या या जलन होना	दूसरे की तरक्की देख्कर उसकी छाती पर साँप लौटने लगता है
131	छान बीन करना	पूछताछ या जाँच करना	बहुत छान बीन करने पर भी पुलिस चोरी का सुराग नहीं पा सकी
132	छीछालेदर करना	हँसी उड़ाना, दुर्गति करना	आज की सभा में रामदेव बाबू ने नेताओं की खूब छीछालेदर की
133	छू मंतर होना	भाग जाना	पुलिस को देखते ही सारे जुआड़ी छू मंतर हो गये
134	जंजाल में फसना	झंझट में पड़ना	बेचारा घर गृहस्थी के जंजाल में फस गया है, अब भजन कीर्तन के लिए उसे समय कहाँ मिलता है
135	जख्म (जले) पर नमक छिड़कना	दु:ख पर दु:ख देना	इन गरीबों पर और अत्याचार करके उनके जख्म (जले) पर नमक मत छिडकी
136	जड़ उखाड़ना	समूल नाश करना	गाँधीजी के सत्याग्रह ने ब्रिटिश साम्राज्य की भारत से जड़ उखाड़ दी

137	जबानी जमा खर्च करना	केवल बात करना, कुछ काम न करना	केवल जबानी जमा खर्च मत करो, कुछ काम भी किया करो
138	जमीन आसमान एक करना	बहुत बड़े बड़े उपाय करना	चुनावों में सफलता पाने के लिए उन्होंने जमीन आसमान एक कर दिया था
139	जमीन पर नाक रगड़ना	पछताना, माफी माँगना	आज चाहे जितना अकड़ लो कल तो जमीन पर नाक रगड़ोगे ही
140	जमीन पर पैर न रखना	बहुत घमंड करना	आजादजी जब से मंत्री बने हैं, जमीन पर पैर नहीं रखते
141	जलती आग में घी डालना	लड़ाई बढ़ाना	चैन सिंह को तो मुझसे पुरानी दुश्मनी थी ही, लेकिन तुमने उसे इस बात की याद दिलाकर जलती आग में घी डाल दिया है
142	जली कटी सुनाना	डॉट फटकार करना	गुस्सा तो मुझे बहुत दिनों से था, लेकिन कल ही वे पकड़ में आये और मैंने उन्हें खूब जली कटी सुना दी
143	जहर का घूंट पीना	क्रोध को दबा लेना	उसके दुव्यवहार पर मुझे गुस्सा तो बहुत आया, लेकिन परिस्थिति कुछ ऐसी थी कि जहर का घूंट पीकर रह जाना पडा
144	जी की जी में रहना	इच्छा अधूरी रहना	मैंने अपने बेटे को खूब पढ़ाना लिखाना चाहा था, लेकिन पैसे के अभाव में मेरी जी की जी में रह गयी
145	जी नहीं भरना	संतोष नहीं होना	धन चाहे जितना भी मिले, पर इससे किसी का जी नहीं भरता
146	जी भर आना	दया होना	गरीबों को देखकर जिसका जी भर आये, वही सच्चा महात्मा है
147	जीती मक्खी निगलना	सरासर बेईमानी करना	वह ऐसा घाघ है कि आँखों के सामने ही जीती मक्खी निगल जाता है और किसी को पता तक नहीं चलता
148	जीवन दान बनना	जीवन की रक्षा करना	डॉक्टर की दवा रोगी के लिए जीवन दान बन गयी
149	जूतियाँ सीधी करना	बहुत खुशामद करना	यदि तुम्हें उनसे अपना काम निकालना है, तो उनकी जूतियाँ सीधी किया करो
150	जोर लगाना	बल प्रयोग करना	रावण ने बहुत जोर लगाया, लेकिन शिव धनुष टस से मस न हुआ
151	झक मारना	विवश होना, व्यर्थ समय बिताना	उसके पास मुझे सहायता के लिए झक मारकर जाना पडा
152	झाँसा देना	धोखा देना	लखिया ने झाँसा देकर मेरे बेटे की घड़ी हथिया ली
153	झाड़ फेरना	मान नष्ट करना	एक नीच आदमी से रिश्ता जोड़कर तुमने पूरे परिवार की मर्यादी पर झाड़ फेर दिया है
154	झाड़ मारना	तिरस्कार करना, दूर हटाना – जरा सी बात पर माँ ने उसे झाड़ मारकर बाहर निकाल दिया झूठ का पुल बाँधना	बहुत झूठ बोलना – सच्ची सच्ची बात ही कह दो, अब झूठ का पुल बाँधने से क्या फायदा ?
155	टक्कर लेना	मुकाबला करना	तबला वादन में कंठे महाराज से टक्कर लेना आसान नहीं था
156	टका सा जवाब देना	इनकार कर देना	मैं नौकरी के लिए बड़ी आशा लेकर गया था, लेकिन सेठजी ने टका सा जवाब दे दिया
157	टका सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिदा होना	पिताजी के पहुँचते ही जुआरी गजाधर टका सा मुँह लेकर रह गया
158	टट्टी की ओट में शिकार खेलना	छिपकर गलत काम करना	आजकल के नेता टट्टी की ओट में शिकार खेलना खूब जानते हैं
159	टस से मस ना होना	थोड़ा सा भी न हिलना	उसे बहुत प्रलोभन दिया गया, लेकिन वह अपनी बात से टस से मस न हुआ
160	टाएँ टाएँ फिस होना	असफल हो जाना	उसने योजना तो खूब सोच समझकर बनायी थी, लेकिन वह टाएँ टाएँ

			फिस हो गयी
161	टाल मटोल करना	बहाने करना	अगर मेरे रुपये वापस करना है, तो कर दो, टाल मटोल करके मुझे व्यर्थ परेशान मत करो
162	टूट पड़ना	वेग से धावा बोलना	शिवाजी के सैनिक अचानक बगल की पहाड़ी से निकलकर मुगल फौज पर टूट पड़े
163	टाँग अड़ाना	दखल देना, अडचन डालना	हर बात में टाँग अडाना मूखों का ही काम है
164	टेढ़ी उँगली से घी निकालना	आसानी से काम न होना	उससे कोई काम करवा लेना टेढ़ी ऊँगली से घी निकालने जैसा ही है
165	टेढ़ी खीर होना	मुश्किल काम	इसे सही रास्ते पर लाना टेढ़ी खीर है
166	ठंढा करना	शांत करना	पिताजी तो गुस्से से उबल रहे थे, बड़ी मुश्किल से मैंने उन्हें समझा बुझाकर ठंढा किया है
167	ठंढा होना	शांत होना, मर जाना	शाइस्ता खाँ शिवाजी की चोट खाकर थोडा छटपटाया फिर एकदम ठंढा हो गया
168	ठकुर सुहाती करना	मुँहदेखी करना, चापलूसी करना	अफसरों की ठकुर सुहाती करके सेठजी ने काफी धन कमा लिया
169	ठनठन गोपाल होना	निर्धन होना	वह तो इन दिनों खुद ही ठनठन गोपाल है, उससे चंदा पाने की आशा मत करो
170	ठोकर खाना	नुकसान सहना, मारा मारा फिरना	क्या ऐसे ही ठोकर खाते फिरोगे या कुछ कमाने का भी उपाय करोगे ?
171	डंक मारना	कटु वचन कहना	उसने अपनी कड़वी बातों का ऐसा डक मारा कि मैं मर्माहत होकर रह गया
172	डंके की चोट पर कहना	खुल्लम खुल्ला कहना	बात सच्ची थी तभी तो डके की चोट पर कही गयी
173	डूबते को तिनके का सहारा होना	असहाय का कुछ भी सहारा होना	ऐसी विकट परिस्थिति में तुम्हारी यह छोटी रकम भी डूबते को तिनके का सहारा होगी
174	डेढ़ चावल की खिचड़ी अलग पकाना	अपनी तुच्छ राय अलग रखना	यदि हम इसी प्रकार डेढ़ चावल की खिचड़ी अलग पकाते रहे, तो हममें एकता कभी भी नहीं आयेगी
175	ढाई दिन की बादशाहत	क्षणिक सुख	यह ढाई दिन की बादशाहत भी किस काम ‘ की, जबकि तकदीर में सारी जिंदगी दु:ख भोगना ही लिखा है
176	ढाक के तीन पात	सदा एक सा रहना	यह आदमी तरक्की करनेवाला नहीं है, जब भी मैंने देखा, इसे वही ढाक के तीन पात पाया
177	ढिंढोरा पीटना	सबको सुनाना	उसने हमारी बातें सुन ली हैं, अब पूरे गाँव में ढिंढोरा पीटता फिरेगा
178	ढेर करना	मार डालना	बलराम ने गदा की एक ही चोट से दुष्ट राक्षस को वहीं ढेर कर दिया।
179	तकदीर चमकना	भले दिन आना	बेटे की नौकरी क्या मिली, राम बाबू की तकदीर चमक गयी
180	तख्ता उलटना	बना बनाया काम बिगाड़ना	इस व्यवसाय में मैंने अच्छा कमाया था, लेकिन गेहूँ का सौदा करके तुमने मेरा तख्ता उलट दिया
181	तबीयत फड़क उठना	चित्त प्रसन्न हो जाना	पंकज उदास की गजल सुनकर मेरी तबीयत फड़क उठी
182	तलवार के घाट उतारना	हत्या कर देना	उस वीर ने अत्याचारी को अपनी तलवार के घाट उतार दिया
183	तलवे धो धोकर पीनां	बहुत अधिक खुशामद करना	वह सेठजी के तलवे धो धोकर पीता रहा, लेकिन बदले में उसे गालियाँ ही मिलीं
184	ताक में रहना	मौका देखते रहना	तुम सावधान रहना, इन दिनों वह तुम्हारी ही ताक में रहता है

185	ताना मारना	व्यंग्य करना	मेरी गरीबी पर वह नीच हमेशा ताना मारा करता है
186	तारे गिनना	चिंता में रात काटना	आपके इंतजार में मैं सारी रात तारे गिनता रहा
187	तारे तोड़ लाना	असंभव काम करना	साहसी व्यक्ति सहज ही तारे तोड लाते हैं
188	तिनके का सहारा	थोड़ा सा सहारा	मुझ जैसे गरीब को तो तिनके का सहारा भी बहुत होता है
189	तिल का ताड़ कर देना	बहुत बढ़ा चढ़ाकर कहना	जितनी बात हुई उतनी ही कहो, तिल का ताड मत करो
190	त्राहि त्राहि करना	रक्षा के लिए गुहार करना	जमींदारों के अत्याचार से किसान त्राहि त्राहि कर रहे थे
191	थुड़ी थुड़ी करना	धिक्कारना	उसके ऐसे नीच कर्म पर सभी थुड़ी थुड़ी कर रहे थे
192	थू थू करना	धिक्कारना	तुम्हारी नीचता की कहानी जो भी सुनेगा वही तुम पर थू थू करेगा
193	थूककर चाटना	वादा से मुकर जाना	तुम्हारे जैसे आदमी का क्या विश्वास? तुम तो थूककर चाटने लगते हो
194	थूक से सत्तू सानना	बहुत कंजूसी करना	रामजीवन से चंदा पाने की उम्मीद मत रखो, वह हमेशा थूक से सत्तू सानता है
195	थोथी बात होना	सारहीन बात होना	ये सब थोथी बातें हैं, इन पर कोई भी विश्वास नहीं करेगा
196	दबी जबान से कहना	धीरे धीरे कहना	नौकर ने अपनी बात मालिक से दबी जबान से कह दी
197	दम भरना	भरोसा करना, हर समय किसी की तारीफ करना	वह तो हमेशा तुम्हारी दोस्ती का दम भरा करता था
198	दर दर मारा फिरना	दुर्दशाग्रस्त होकर घूमना	याद रखो, यदि यह नौकरी तुमने छोड़ दी, तो तुम्हें जिंदगी भर दर दर मारे फिरना होगा
199	दलदल में फसना	मुश्किल में पड़ना	मैं उस बदमाश की जमानत देकर दलदल में फंस गया
200	दाँतों उँगली दबाना (दाँत तले उँगली दबाना)	आश्चर्य करना, अफसोस करना	इस बच्चे की बातें सुनकर तो दाँतों उँगली दबाना पड़ता है

201	दाँतकटी रोटी होना	गहरी दोस्ती होना	नरेश और मोहन में आजकल दाँतकटी रोटी जैसा सम्बन्ध है
202	दाँत तोड़ना	परास्त करन	मुझसे ज्यादा उलझने की कोशिश करोगे तो मैं तुम्हारे दाँत तोड़ डालूँगा
203	दाँतों में तिनका लेना	अधीनता स्वीकार करना	वीर शिवाजी के वहाँ पहुँचते ही उस किले का रक्षक दाँतों में तिनका लेकर उनके सामने उपस्थित हुआ
204	दाई से पेट छिपाना	ऐंसी जगह भेद छिपाना जहाँ ऐसा करना संभव नहीं हो	उसने अपना भेद मुझसे कह ही दिया, भला कब तक दाई से पेट छिपाता ?
205	दाना पानी उठना	अन्न जल न मिलना	जब से बाबू साहब की मौत हुई है, बेचारे रघुआ का इस घर से दाना पानी उठ गया
206	दाने दाने को मुँहताज	भोजन न पाना, अत्यंत दरिद्र	नौकरी से हटा दिये जाने पर तो मैं दाने दाने को मुँहताज हो जाऊँगा
207	दाल गलना	मतलब निकलना	चाहे तुम कुछ भी करो, यहाँ तुम्हारी दाल गलने वाली नहीं है
208	दाल भात का कौर समझना	बहुत आसान समझना	इस काम को तुम, दाल भात का कौर मत समझ लेना
209	दाल में काला होना	संदेह की बात होना	तुम्हारे रंग ढंग से लगता है कि जरूर दाल में कुछ काला है
210	दिन दूना रात चौगुना होना (या बढ़ना)	खूब तरक्की करना	भाई, जब से तुमने गल्ले का व्यापार शुरू किया है, दिन दूना रात चौगुना होते जा रहे हो
211	दिल के फफोले फोड़ना	मन की भडास निकालना	साहब बीबी से झगड़कर आये थे, घर में तो चली नहीं, मुझ पर ही बिगड़कर अपने दिल के फफोले फोड़ रहे थे

212	दिल्ली दूर होना	लक्ष्य दूर होना	अभी तो मैट्रिक की परीक्षा में ही उत्तीर्ण हुए हो और मजिस्ट्रेट बनने का सपना देख रहे हो, अभी दिल्ली दूर है
213	दीन दुनिया भूल जान	सुध बुध भूल जाना	सच्चे महात्मा ईश्वर की साधना में डूबकर दीन दुनिया भूल जाते हैं
214	दीया लेकर ढूँढना	हैरान होकर ढूँढना	उसके जैसा ईमानदार नौकर तो दीया लेकर ढूँढने से भी नहीं मिलेगा
215	दुनिया की हवा लगना	सांसारिक अनुभव होना	जब से जुगल को दुनिया की हवा लगी है, वह मितव्ययी हो गया है
216	दुम दबाकर भागना	कायरतापूर्वक भागना	वह बहुत देर से शेखी बघार रहा था, लेकिन जैसे ही वहाँ मेरे आदमी पहुँचे, दुम दबाकर भाग गया
217	दूज (ईद) का चाँद होना	मुश्किल से दिखाई देना	यार तुम्हें देखने को तरस गया, तुम तो दूज (ईद) के चाँद हो गये हो
218	दूध का दूध पानी का पानी करना	पक्षपातरहित न्याय करना	महाराज हरिश्चंद्र ऐसे न्यायी थे कि चाहे जैसा भी झगड़ा हो, क्षणभर में दूध का दूध पानी का पानी कर देते थे
219	दूध की लाज रखना	माँ की प्रतिष्ठा रखना	युद्ध में जाते समय बेटे को आशीर्वाद देते हुए माँ ने कह, बेटा, लडाई में जीतकर मेरे दूध की लाज रखना
220	दूध की नदियाँ बहाना	संपन्नता की भरमार होना	प्राचीन भारत में दूध की नदियाँ बहती थी
221	दूध के दाँत न टूटना	अनुभवहीन होना	तुम तो कभी कभी ऐसी बातें करने लगते हो जिनसे लगता है कि अभी तक तुम्हारे दूध के दाँत न टूटे हों
222	दूधो नहाओ, पूतों फलो	धन और संतान की वृद्धि होना	बहू ने जैसे ही सास के पाँव छूए, उसने आशीर्वाद दिया दूधी नहाओं, पूतों फलो
223	दो दिन का मेहमान	शीघ्र ही मरनेवाला, या कहीं बाहर जानेवाला	चाचाजी की बीमारी बहुत बढ़ गयी है, अब तो वे दो दिन के मेहमान हैं
224	दो नावों पर पैर रखना	दो विरोधी काम एकसाथ करना	दो नावों पर पैर रखना सफलता से दूर भागना है
225	द्रविड़ प्राणायाम करना	सीधी बात को घुमा फिराकर कहना	जो कुछ कहना है सीधे सीधे कहो, द्राविड प्राणायाम मत करो
226	धक्का लगना	नुकसान होना, दु:ख होना	पिछले साल जूट के व्यापार में लालाजी को गहरा धक्का लगा था
227	धज्जियाँ उड़ाना	दुर्गति करना, दोष दिखाना	शशि बाबू ने उस धोखेबाज की ऐसी धज्जियाँ उड़ायीं कि वह अपना सा मुँह लेकर रह गया
228	धता बताना	टाल देना	मैं सहायता की आशा लेकर नेताजी के पास गया था, परंतु उन्होंने तो मुझे धता बता दिया
229	धरना देना	सत्याग्रह करना	आँदोलनकारी कर्मचारी मंत्रीजी के कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं
230	धुएँ के बादल उड़ाना	भारी गप हाँकना	उसका विश्वास कभी मत करना, धुएँ के बादल उड़ाने में वह माहिर है
231	धुन सवार होना	किसी काम को पूरा करने की लगन होना	इन दिनों परमेश्वर बाबू पर पैसा कमाने की धुन सवार हो गयी है
232	धूप में बाल सफेद करना	अनुभवहीन होना	अफसोस है कि तुम्हें इस उम्र में भी इन बातों की जानकारी नहीं है, तुमने क्या धूप में बाल सफेद किये हैं ?
233	धूल फाँकना	मारा मारा फिरना	पढ़ाई लिखाई छोड़कर रवींद्र इधर उधर की धूल फाँका करता है
234	धूल में मिलना	बर्बाद हो जाना	अपने से ताकतवर के साथ टकरानेवाले धूल में मिल जाते हैं
235	धोती ढीली होना	डर जाना	नये नये शिकारी का जैसे ही बाघ से सामना हुआ, उसकी धोती ढ़ीली हो गयी
236	धोबी का कुत्ता	बेकार आदमी	उसकी बात मत पूछो, वह तो धोबी का कुत्ता है, किसी काम का नहीं

237	नजर पर चढ़ना	पसंद आ जाना	लगता है तुम्हारा छाता चोर की नजर पर चढ़ गया था
238	नमक मिर्च लगाना	किसी बात को खूब बढ़ा चढ़ाकर कहना	उसने खूब नमक मिर्च लगाकर मेरी शिकायत पिताजी से की है
239	नाक कट जाना	प्रतिष्ठा नष्ट होना	तुम्हारी चोरी की इस करतूत से परिवार की नाक कट गयी
240	नाक का बाल होना	बहुत प्रिय होना	अपनी चतुराई के कारण ही बीरबल अकबर की नाक के बाल हो गये थे
241	नाकों चने चबवा देना	खूब परेशान करना	वीर शिवाजी ने छापामार युद्ध करके औरंगजेब को नाकों चने चबवा दिये थे
242	नाक भौं चढ़ाना	नाराज होना, घृणा प्रकट करना	गंदगी को देखकर सभी नाक भौं चढ़ाने लगते हैं
243	नाक में दम करना	खूब तंग करना	अपनी शैतानियों से तो इसने मेरी नाक में दम कर दिया है
244	नाक रगड़ना	गिड़गिड़ाना, विनती करना	तुम लाख नाक रगड़ो, लेकिन इस बार मैं तुम्हें माफ नहीं करूंगा
245	नानी याद आना	होश उड़ जाना, हौसला पस्त होना	पुलिस को देखते ही चोरों को नानी याद आ गयी
246	नीचा दिखाना	अपमानित करना	आज उसने सबके सामने ही मुझे नीचा दिखाया है
247	नीला पीला होना	क्रोध करना	छोटी छोटी बातों के लिए बच्चों पर नीला पीला मत हुआ करो
248	नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना	वह बदमाश मेरी गठरी लेकर नौ दो ग्यारह हो गया
249	पंचतत्व को प्राप्त करना	मृत्य होना	30 जनवरी, 1948 ई० को गाँधीजी ने पंचतत्व को प्राप्त किया था
250	पगड़ी उछालना	बेइज्जत करना, हँसी उड़ाना	तुमने कल सबके सामने मेरी पगडी उछाली है, इसका बदला मैं तुमसे जरूर लूँगा
251	पगड़ी रखना	मर्यादा की रक्षा करना	भाई ऐसी हालत में तुम्हीं मेरी पगड़ी रख सकते हो, नहीं तो मैं किसी को मुँह दिखाने लायक नहीं रहूँगा
252	पत्थर की लकीर	अमिट, स्थायी	मेरी बात को पत्थर की लकीर समझो
253	पत्थर पर दूब जमना	अनहोनी बात या असंभव काम होना	उस कजूस ने जब चंदा में एक सौ एक रुपये दे दिये तो लगा कि जैसे पत्थर पर दूब जम आयी है
254	पत्थर से सिर फोड़ना	असंभव बात के लिए कोशिश करना	उस मूख को समझाने की कोशिश करके क्यों पत्थर से सिर फोड़ रहे हो ?
255	पहाड़ से टक्कर लेना	जबर्दस्त से मुकाबला करना	काले खाँ पहलवान से भिड़ना पहाड़ से टक्कर लेना है
256	पाँव उखड़ जाना	हार जाना	हमारे जवानों की ललकार सुनते ही पाकिस्तानी घुसपैठियों के पाँव उखड़ गये
257	पाँव फूंक फूंक कर रखना	सोच समझकर काम करना	जवानी अंधी हाती है, अत: इस अवस्था में पाँव फूंक फूंक कर रखना चाहिए
258	पजामे से बाहर होना	कुद्ध होना, जोश में आना	नौकर ने चाय लाने में जरा देर क्या कर दी साहब पाजामें से बाहर हो गये
259	पानी की तरह पैसा बहाना	अंधाधुंध खर्च करना	मुफ्त की दौलत मिल गयी है तभी तो वह पानी की तरह पैसा बहा रहा है
260	पानी पानी होना	लज्जित होना	शराब पीते हुए अचानक अपने पिता द्वारा देख लिये जाने पर बेचारा दामोदर पानी पानी हो गया
261	पानी में आग लगाना	असंभव को संभव करना	उन दोनों की पक्की दोस्ती में फूट डालकर तुमने पानी में आग लगा दी है
262	पिल पड़ना	जी जान से लग जाना	परीक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए सौमित्र अपने अध्ययन में पिल

			पड़ा है
263	पीठ ठोंकना	शाबाशी देना, बढ़ावा देना	परीक्षा में प्रथम आने पर पिताजी ने मेरी पीठ ठोंकी
264	पीठ दिखाना	लड़ाई में भाग जाना	थोड़ी देर की लड़ाई के बाद शत्रु ने पीठ दिखा दी
265	पेट में चूहे दौड़ना	जोरों की भूख लगना	माँ, जल्दी से कुछ खाने को दो, पेट में चूहे दौड़ रहे हैं
266	पौ बारह होना	लाभ का अवसर मिलना	इस वर्ष सब्जियों के दाम में तेजी आने के करण किसानों के पौ बारह हैं
267	प्राण मुँह को आना	अत्यधिक कष्ट होना	जंगल में अचानक शेर की दहाड सुनते ही मेरे प्राण मुँह को आ गले
268	प्राणों से हाथ धोना	मर जाना	यदि मुझसे दुश्मनी करोगे तो प्राणों से हाथ धोना पडेगा
269	प्राण हथेली में लेना	मरने के लिए तैयार रहना	बहादुर हर समय प्राण हथेली में लिये फिरते हैं
270	प्राणों की बाजी लगाना	अत्यधिक साहस करना	भारत के प्रहरी सैनिक देश रक्षा में प्राणों की बाजी लगा देते हैं
271	पोल खोलना	रहस्य प्रकट करना	आखिर एक दिन उनके नौकर ने ही यह पोल खोल दी कि नेताजी के पास इतना पैसा कहाँ से आता है
272	फंदे में पड़ना	धोखे में पड़ना	तुम लाख प्रलोभन दो, लेकिन अत मैं तुम्हारे फदे में नहीं पड़नेवाला
273	फटेहाल होना	बुरी हालत में होना	नौकरी छूट जाने के कारण इन दिनों वह फटे हाल हो गया है
274	फूंक से पहाड़ उड़ाना	थोडी शक्ति से बड़ा काम करना	अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को चुनौती देकर इराक फुक से पहाड़ उड़ाना चाहता है
275	फूटी आँखों न भाना	अप्रिय लगना	तुम्हारी हर समय उधार माँगने की आदत मुझे फूटी आँखों भी नहीं भाती है
276	फूलकर कुप्पा होना	खुशी से इतराना	जब शिक्षक ने चंदन की प्रशंसा की तो वह फूलकर कुप्पा हो गया
277	फेर में डालना	कठिनाई में डालना	उसने चुनाव में खड़ा करके मुझे बड़े फेर में डाल दिया है
278	बगलें झाँकना	लज्जित होकर इधर उधर देखना	पिता जी से रंगे हाथो चोरी करते पकडे जाने पर वह बगले झाकने लगा
279	बट्टा लगाना	कलंक लगाना	अपना वचन तोड़कर तुमने क्षत्रियों के नाम पर बट्टा लगा दिया
280	बरस पड़ना	क्रोध में आकर खरी खोटी सुनाना	बच्चों की छोटी छोटी भूल पर भी बरस पड़ना बुरी बात है
281	बाग बाग होना	बहुत खुश होना	'तीसरी कसम' फिल्म में राजकपूर का अभिनय देखकर तबीयत बाग बाग हो गयी
282	बाजी ले जाना	आगे निकल जाना	कल के फुटबॉल मैच में अपने कॉलेज की टीम बाजी ले गयी
283	बात चलाना	शुरू करना	इन दिनों मेरी बहन की शादी की बात चलायी जा रही है
284	बातों में आना	बात व्यवहार में धोखा खाना	न जाने उस समय मेरी बुद्धि को क्या हो गया था जो मैं उसकी बातों में आ गया
285	बाल बाँका न होना	कुछ भी हानि न पहुँचना	तुम्हारे आशीवाद से इस लड़ाई में मेरा बाल बाँका न होगा
286	बाल की खाल निकालना	निरर्थक बहस करना	हर बात में बाल की खाल निकालने की तुम्हारी तो आदत ही है
287	बासी कढ़ी में उबाल आना	बुढ़ापे में जवानी की उमंग उठना, समय बीत जाने पर कुछ करने की इच्छा होना	बूढ़े चट्टोपाध्याय महोदय का इस तरह से बनना सँवरना देखकर यही लगता है कि बासी कढ़ी में उबाल आ गया है
288	बीड़ा उठाना	किसी काम को पूरा करने का संकल्प करना	भगवान राम ने सुग्रीव की रक्षा का बीड़ा उठाया था
289	बुखार उतारना	क्रोध करना	बहुत मनमानी करने लगे हो, ऐसी मार मारूंगी कि बुखार उतार दूंगी

290	बेड़ा पार लगाना	कष्ट से उबारना	भगवान सबका बेड़ा पार लगाते हैं
291	बे सिर पैर की बात कहना	निरर्थक बात कहता	कुछ सोच समझकर बोला करो, बे सिर पैर की बात कहने से क्या फायदा ?
292	बेवक्त की शहनाई बजाना	अवसर के विरुद्ध काम करना	पूजा के अवसर पर फिल्मी गीत सुनाकर कुछ लोग बेवक्त की शहनाई बजाते हैं
293	बोलती बंद करना	निरुतर करना, बोलने न देना	सबके सामने पोल खोलकर शरत ने उसकी बोलती बंद कर दी
294	बौछार करना	अधिक मात्रा में उपस्थित करना	पुलिस ने भीड़ पर गोलियों की बौछार कर दी
295	भंडा फूटना	भेद खुलना –	एक न एक दिन तुम्हारे कुकर्मों का भंडा फूटेगा और तब लोग तुम पर थूकेंगे
296	भानुमती का पिटारा	वह पात्र, जिसमें तरह तरह की चीजें मौजूद रहती हैं	दादी के पास तो मानो भानुमती का पिटारा है, उनकी दवा पीते ही मुन्ना उछलने कूदने लगा
297	भार उठाना	उत्तरदायित्व लेना	इतने बड़े अनुष्ठान का भार उठाना एक अकेले के बस का नहीं है
298	भार उतारना	ऋण से मुक्त होना	भतीजी की शादी होते ही मेरे सिर से एक भार उतर जायगा
299	भूत सवार होना	सनक सवार होना	क्या तुम पर भूत सवार हो गया है, जो बच्ची को इस तरह पीट रहे हो ?
300	भौंह चढ़ाना	क्रोध करना	वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी छोटी बातों पर भी भौंह चढ़ा लेगा

301	मक्खी की तरह निकाल देना	किसी को किसी काम से बिलकुल अलग कर देना	अपने व्यवसाय के प्रारंभ में तो रमेश ने मुझे साथ रखा, किंतु व्यवसाय के चल निकलते ही उसने मुझे मक्खी की तरह निकाल दिया
302	मक्खी मारना (या उड़ाना)	बिलकुल निकम्मा रहना	सरकारी कानून के कारण बेचारे का कारबार चौपट हो गया, अब बैठा मक्खी मार रहा है
303	मगज खाना (या चाटना)	बकबक कर तंग करना	कल से मेरी परीक्षा है, अत: मुझे पढ़ने दो, बेकार मेरे पास बैठकर मगज मत खाओ
304	मजा किरकिरा होना	रंग में भंग पड़ना	बारिश से मेला का सारा मजा किरकिरा हो गया
305	मन की मन में रहना	इच्छा पूरी न होना	तुमलोगों के साथ आगरा जाने की मेरी भी बड़ी इच्छा थी, किंतु बीमारी के कारण मेरी मन की मन में रह गयी
306	मन के लड्डू खाना	व्यर्थ की आशा में प्रसन्न होना	जब से ज्योतिषी ने उसे लॉटरी निकलने की बात कही है, वह मन के लड्डू खा रहा है
307	मन मैला करना	अप्रसन्न या असंतुष्ट होना	जरा जरा सी बात पर मन मैला करोगे तो यह संसार कैसे चलेगा ?
308	मशाल लेकर ढूँढना	अच्छी तरह ढूँढना	रमुआ जैसा ईमानदार और मेहनती नौकर तो आपको मशाल लेकर ढूँढने से भी नहीं मिलेगा
309	माथे पर बल पड़ना	चेहरे पर क्रोध, दु:ख या असंतोष आदि प्रकट होना	जैसे ही मैंने छुट्टी का अपना आवेदनपत्र सामने रखा, साहब के माथे पर बल पड़ गये
310	मारा मारा फिरना	बुरी दशा में इधर उधर घूमना	जब से आपने उसे नौकरी से जवाब दिया है, बेचारा मारा मारा फिर रहा है
311	मिट्टी के मोल बिकना	खूब सस्ता बिकना	इस साल आम मिट्टी के मोल बिका
312	मिट्टी पलीद करना	दुर्दशा करना	छात्रों ने उस देश द्रोही की खूब मिट्टी पलीद की
313	मुँह की खाना	बेइज्जत होना, बुरी तरह हार जाना	1985 ई० के आम चुनाव में विपक्षी उम्मीदवारों को मुँह की खानी पडी
314	मुँह काला करना	व्यभिचार करना, बदनामी	चोरबाजारी का काम करके आपने खुद ही अपना मुँह काला किया

		का काम करना	है
315	मुँहतोड़ जवाब देना	ठोस जवाब देना	उसकी हर बात का मैं मुँहतोड़ जवाब दूँगा
316	मुँहदेखी कहना	खुशामद करना, तरफदारी करना	अपना मतलब पूरा करने के लिए वह तो मुँह देखी कहेगा ही
317	मुँहमाँगी मुराद पाना	मनचाही वस्तु पाना	तुम बड़े भाग्यशाली हो जो इस नौकरी के रूप में मुँहमाँगी मुराद पा गये
318	मुँह में पानी भर आना	किसी चीज को पाने के लिए लालच होना	मिठाई देखकर उसके मुँह में पानी भर आया
319	मुँह में लगाम न होना	जो मुँह में आवे, सो कह देना	उसके मुँह में लगाम नहीं है, जो मन में आता है, कह डालता है
320	मुँह मोड़ना	विमुख होना	इन दिनों वह खेलकूद से मुँह मोड़कर पढ़ाई में लगा हुआ है
321	मुट्ठी गरम करना	घूस देना, रुपया देना।	बड़ा बाबू की मुट्ठी गरम किये बिना तुम्हारा काम नहीं होगा
322	मैदान साफ होना	कोई बाधा न होना	पिताजी के बाहर जाते ही मैदान साफ हो गया और रमेश खेलने के लिए निकल भागा
323	मैदान मारना (मैदान मार लेना)	जीत जाना	कल के फुटबॉल मैच में कॉलेज की टीम ने मैदान मार लिया
324	मौत का सिर पर खेलना	विपत्ति समीप होना, मरने की होना	क्या मौत सिर पर खेल रही है जो इस बढ़ी हुई नदी को पार करने जा रहे हो
325	मेढ़की को जुकाम होना	अनहोनी होना	बुढ़ापे में वह बाप बना है, लगता है मेढ़की को जुकाम हुआ है
326	यश कमाना	नाम हासिल करना	बाढ़ पीडितों की सहायता करके दामोदर बाबू ने बडा यश कमाया
327	यश मिलना	सम्मान मिलना	मैंने बहुत लोगों का भला किया, परंतु इसके लिए यश मिलना तो दूर रहा, उलटे बदनामी ही मिली
328	रंग उखड़ना	धाक न जमना, मजा बिगड़ जाना	ऐसी चाल चलेंगा कि इस महफिल से तुम्हारा सारा रंग उखड़ जायेगा
329	रंग उड़ना (या उतरना)	भय या लज्जा से चेहरा का बेरौनक हो जाना	जैसे ही मास्टर साहब ने सुरेश को परीक्षा में नकल करते हुए पकडा, बेचारे के चेहरे का रंग उड गया
330	रंग जमना	धाक जमना, समां बँधना, खूब आनंद मजा होना	कल की सभा में नेताजी का अच्छा रंग जमा
331	रंग में भंग पड़ना	आनंद में विघ्न पड़ना	हमलोगों की महफिल खूब जमी थी, लेकिन अचानक श्याम के पिताजी के आ जाने से रंग में भंग पड़ गया
332	रंग लाना	असर दिखाना, विशेषता प्रकट करना	हिना पत्थर पर घिस जाने के बाद ही रंग लाती है
333	रंगे हाथों पकड़ना	अपराध करते हुए पकड लेना	पुलिस ने पॉकेटमार को रंगे हाथों पकड लिया
334	राई से पर्वत करना (या बनाना)	छोटी बात को बहुत बढ़ा देना	दामोदर बडा धूर्त है, किसी भी बात को राई से पर्वत करके सभी से कहता फिरता है
335	रोंगटे खड़े होना	भयभीत होना, भयानक दृश्य देखकर शरीर के रोयें का खडा होना	अंधेरे में भूत जैसा कोई खड़ा था, उसे देखते ही मेरे रोंगटे खड़े हो गये
336	रफू चक्कर होना	भाग जाना	सिपाही को देखते ही चोर रफू चक्कर हो गया
337	रात दिन एक करना	कठोर परिश्रम करना	उसने परीक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए रात दिन एक कर दिया था
338	रोटी के लाले पड़ना	दाने दाने को तरसना	पति की मौत होते ही बेचारी रमा को रोटी के लाले पड़ गये
339	रोड़ा अटकाना	बाधा डालना	भाइयों ने मेरी पढ़ाई में खूब रोड़े अटकाये, पर मुझे पढ़ने से रोक

			नहीं सके रौनक जाती रहना
340	रौनक जाना	चमक समाप्त हो जाना	लंबी बीमारी के बाद बिटिया के चेहरे की रौनक जाती रही
341	लंबी तानना	सो जाना	रोज दोपहर में खाना खाकर वह लंबी तान देता है
342	लकीर का फकीर होना	अंधविश्वासी होना, पुराणपंथी होना	राजेंद्र तो बिलकुल लकीर का फकीर है, भला विधवा विवाह के लिए कैसे राजी होगा ?
343	लपेट में आ जाना	घिर जाना	उत्तरी बिहार के सैकड़ों गाँव बाढ़ की लपेट में आ गाय थ।
344	लंबी चौड़ी हाँकना	डींग हाँकना	देवेंद्र हमेशा लंबी चौड़ी हाँका करता है
345	लल्लो चप्पो करना	खुशामद करना	मैं तो साफ साफ ही कहूँगा, लल्लो चप्पो करना मुझे नहीं आता
346	लड़ाई में काम आना	लड़ते लड़ते मर जाना	वियतनाम में अमेरिका के हजारों सैनिक लड़ाई में काम आये
347	लहू का प्यासा होना	जान लेने को तैयार होना	जब से चुनाव में मैंने उसका विरोध किया है तब से वह मेरे लहू का प्यासा हो गया है
348	लुटिया डुबोना या डुबा देना	बर्बाद करना, अपमानित करना	इस भयंकर मंदी में भारी दामों में गेहूँ खरीद कर तुमने मेरी लुटिया डुबो दी
349	लोहा मानना	पराजित होना, प्रभुत्व स्वीकार करना	अंत में तुम्हें मेरी सूझ बूझ का लोहा मानना ही होगा
350	लोहा नहीं मानना	पराजय स्वीकार नहीं करना	अकबर ने बड़े तिकडम किये, परंतु महाराणा जी ने उनका लोहा नहीं माना
351	लोहे के चने चबाना	असंभव या कठिन काम करना	इतने कम समय की तैयारी में परीक्षा में प्रथम स्थान लाना लोहे के चने चबाना है
352	जी लगाना	किसी का ध्यान करना	हर समय भगवान में जी लगाना चाहिए
353	वक्त पर काम आना	विपत्ति में साथ देना	सच्चे दोस्त ही वक्त पर काम आते हैं
354	वचन देना (या हारना)	वादा करना	मैं उसे वचन दे चुका था, अत: किताब मुझे दे देनी पड़ी
355	वार खाली जाना	चाल विफल होना	इस बार तो दुश्मन का वार खाली गया, आगे भी सावधान रहना
356	वीरगति को प्राप्त करना	युद्ध में मारा जाना	महाभारत के युद्ध में भीष्म पितामह वीरगति को प्राप्त हो गये – भारत पाक युद्ध में अनेक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए
357	शहद लगाकर चाटना	बेकार चीज की हिफाजत करना	इस पुराने कपड़े को क्यों शहद लगाकर चाट रहे हो ? कल मैं नये कपड़े जरूर ला दूँगा
358	शान में बट्टा लगना	इज्जत में कमी आना	मेहनत मजदूरी करके पेट पालने से किसी की शान में बट्टा नहीं लगता
359	शामत सवार होना (शामत आना)	विपत्ति आना	तुम पर शामत सवार हो गयी है, जो ऐसी ऊल जलूल बातें बक रहे हो ?
360	शेखी बघारना	डींग हाँकना	हम सभी तुम्हें अच्छी तरह जानते हैं, हमारे सामने क्यों शेखी बघारते हो?
361	सनक सवार होना	धुन सवार होना	इन दिनों रमेश पर लॉटरी के टिकट खरीदने की सनक सवार हो गयी है
362	सन्नाटे में आना	ठक रह जाना, कुछ कहते सुनते न बनना	इतने अच्छे लड़के के मुँह से गदी बातें निकलते देखकर मास्टरजी सन्नाटे में आ गये
363	सन रह जाना	हतप्रभ रह जाना	मैं तो शास्त्रीजी की असामयिक मृत्यु की खबर सुनकर सन्न रह गया था
364	सबको एक डंडे से हाँकना	सबके साथ समान व्यवहार करना	सबको एक डडे से हाँकने की नीति ही प्रजातंत्र की सबसे बड़ी कमजोरी है

365	सब्जबाग दिखाना	झूठी आशा देना	व्यापार में लाभ के सब्जबाग दिखाकर इस धूर्त ने,दिवाक़र के सारे रुपये ऐंठ लिये
366	साँप छुछूदर की दशा	भारी असमंजस की दशा	राम मेरे साथ सिनेमा जाने के लिए घर से निकला ही था कि पिताजी ने उसे बाजार जाने को कह दिया, बेचारा साँप छुछूदर की दशा में पड गया
367	सिटटी पिटटी गुम होना	भय से होश हवाश उड़ जाना	अचानक अपने सामने बाघ को देखकर मेरी सिट्टी पिट्टी गुम हो गयी
368	सिर आँखों पर बैठाना	बहुत आदर सत्कार करना	आप हमारे गाँव में एक बार जरूर आइये, वहाँ के लोग आपको सिर आँखों पर बैठायेंगे
369	सिर उठाना	विरोध करना	अँगरेजों की गलत नीति के कारण ही 1857 ई० में देशी रियासतों ने उनके खिलाफ सिर उठाया था
370	सिर के बल जाना	विनयपूर्वक किसी के पास जाना	हजूर ! आपका हुक्म होते ही यह सेवक आपके पास सिर के बल जायेगा
371	सिर पर खून चढ़ना (या सवार होना)	जान लेने पर उतारू होना	अभी तुम उसके सामने मत जाओ, इस समय उसके सिर पर खून चढ़ गया है
372	सिर पर कफन बाँधना	मरने के लिए तैयार होना	सिर पर कफन बाँधकर बहुत सारे नवयुवक स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे
373	सीधी औगुली से घी न निकलना	नरमी से काम न होना	दारोगाजी, कहीं सीधी अँगुली से घी निकलता है ? इसे दो घूंसे लगाइये, यह सबकुछ ठीक ठीक बता देगा
374	सीधे मुँह बात न करना	अभिमान से बात न करना	जब से धर्मराज की अफसरी मिली है, वह सीधे मुँह बात तक नहीं करता
375	सीनाजोरी करना	जबरदस्ती करना	अपने से छोटे के साथ सीनाजोरी करना ठीक नहीं
376	सूरज को दीपक दिखाना	जो स्वंय गुणवान हो, उसे कुछ बताना; सुविख्यात का परिचय देना	आपका परिचय देना सूरज को दीपक दिखाना है ?
377	हँसी उड़ाना	उपहास करना	किसी की गरीबी पर हँसी उड़ाना अच्छी बात नहीं
378	हक्का बक्का रह जाना	भौंचक रह जाना	नौकर से तुम्हारे विषय में ऐसी अनर्गल बातें सुनकर मैं हक्का बक्का रह गया
379	हवा पीकर रहना	बिना आहार के रहना	मालिक वेतन नहीं दीजियेगा तो क्या में हवा पीकर रहूँगा ?
380	हवा से बातें करना	बहुत तेज चलना या दौड़ना	महाराणा प्रताप ने जैसे ही चेतक को एँड़ लगायी, वह हवा से बातें करने लगा
381	हाथ धोकर पीछे पड़ जाना	किसी काम में जी जान से लग जाना	वह इस नौकरी के लिए हाथ धोकर पीछे पड़ गया है
382	हाथ तंग होना	आर्थिक तंगी होना	हाथ तंग होने के कारण ही मैं मित्र की बीमारी में कुछ कर न सका
383	हाथ के तोते उड़ना	सहसा किसी अनिष्ट के कारण स्तब्ध हो जाना, चकित रह जाना	कचहरी में अपने गवाह को बयान बदलते देखकर मेरे हाथों के तोते उड़ गये
384	हथियार डाल देना	हार मान लेना	आखिर बिना गोला बारूद के सेना कब तक लड़ती, उसे हथियार डाल देना पड़ा
385	हाँ में हाँ मिलाना	खुशामद करना, जी हजूरी करना	साहब की हाँ में हाँ मिलाते जाओ और तरक्की पाते जाओ
386	होश उड़ जाना	भय या आशंका से व्याकुल होना	अचानक अपने दरवाजे पर लाल पगड़ी वालों को देखकर बेचारे के होश उड़ गये

387	हौसला पस्त होना	उत्साह न रह जाना	चुनाव में हार जाने के कारण मनोहर बाबू का हौसल पस्त हो गया है
388	काल के गाल में जाना	मर जाना	देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद असमय ही काल के गाल में चले गए
389	किस्मत पलटना	भाग्य फिरना	सुधीर के नाम लॉटरी क्या निकली, उसकी तो किस्मत पलट गयी
390	किस्मत फूटना	भाग्य खराब होना	मेरी किस्मत तो उसी दिन फूट गयी थी, जिस दिन तुम जैसा नालायक बेटा मेरी कोख से पैदा हुआ
391	गूलर का फूल होना	दुर्लभ होना	आजकल तो जनाब गूलर के फूल हो गये है, दिखायी ही नहीं पडते
392	गोबर गणेश होना	बेवकूफ होना	उसकी समझ में कुछ भी नहीं आयेगा, वह तो पूरा गोबर गणेश है
393	गागर में सागर भरना	थोड़े में अधिक करना	कविवर बिहारी लाल ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है
394	नकेल हाथ में होना	किसी के काबू में होना	उसकी नकेल मेरे हाथ में है, मेरा कहा वह अवश्य मान लेगा
395	नक्कारखाने में तूती की आवाज	महत्वहीन बात या आवाज	उसने अधिकारियों से इस अन्याय की काफी शिकायत की, लेकिन नक्कारखाने में तूती की आवाज कौन सुनता है ?
396	चलता पुरजा होना	चालाकी से काम लेना	आजकल कमाने के लिए चलता पुरजा होना बेहद जरूरी है
397	झांझट मोल लेना	जानकर मुसीबत में पड़ना	ऐसे बदमाश को अपने साथ रखकर मुझे झांझट मोल नहीं लेना
398	चाँद पर थूकना	व्यर्थ कलंक लगना	गाँधीजी के लिए ऐसी बातें कहकर तुम चाँद पर थूकने की कोशिश कर रहे हो
399	निन्यानबे के फेर में आना	धन बढ़ाने की धुन में रहना	वह ऐसा निन्यानबे की फेर में आ गया है कि दीन दुनिया तक को भुला बैठा है
400	दिन में तारे दिखाई देना	मानसिक कष्ट के कारण बौखला जाना	साहब ने आज बडा बाबू को ऐसी खरी खोटी सुनायी कि उन्हें दिन में ही तारे दिखाई देने लगे
401	मूंछ उखाड़ना	घमंड दूर करके दंड देना	अब यदि आगे एक भी गाली दी तो मैं तुम्हारी पूंछ उखाड खुँगा
402	मूली गाजर समझना	अति तुच्छ समझना	तुमने क्या मुझे मूली गाजर समझ रखा है जो बात बात में पीटने की धमकी देते रहते हो ?
403	खाक छानना	खूब ढूँढना	मैंने दर दर की खाक छान डाली, पर वह कहीं भी नहीं मिला
404	खुशी के दीये जलाना	आनंद मनाना, खुश होना	दामोदर को नौकरी मिलने का समाचार जैसे ही मिला, उसके घर में खुशी के दीये जल उठे
405	घोलकर पिला देना	अच्छी तरह से याद करा देना	इतनी बार समझाया, फिर भी नहीं समझे, अब क्या तुम्हें घोलकर पिला दूँ ?
406	जबान में लगाम न होना	अनुचित बातें कहने का अभ्यास होना	तुमसे कौन मुँह लगाये, तुम्हारी जबान में लगाम तो है ही नहीं
407	जलती आग में कूदना	जानबूझकर मुसीबत में पड़ना	शत्रुओं के गाँव में दिन दहाड़े अकेले जाना जलती आग में कूदना है
408	डपोरशंख होना	डींग मारना	यह बिल्कुल डपोरशंख है, कहता बहुत है करता कुछ भी नहीं
409	तलवे चाटना	खुशामद करना	कई दिनों तक वह सेठ के तलवे चाटता रहा, तब कहीं जाकर उसे यह नौकरी मिली है
410	थाह लेना	किसी चीज की गहराई मालूम करना	किसकी हिम्मत है जो सागर की थाह ले सके
411	दाँत खट्टे करना	परास्त करना, हैरान करना	हल्दीघाटी की लड़ाई में राजपूतों ने अकबर के सिपाहियों के दाँत खट्टे कर दिये
412	धरती पर पाँव न रखना	घमंड से चूर रहना	जब से चार पैसे उसके हाथ में आये हैं, वह धरती पर पाँव नहीं रखता है
413	फक हो जाना	घबड़ा जाना	ज्योंही शिक्षक ने विनोद से एक सवा ने पूछा, वह फक हो गया

414	रोटियाँ तोड़नी	बिना मेहनत किये पड़े पड़े खाना	जनाब कुछ करते धरते नहीं, रोटियाँ तोड़ते हैं और बातें बनाते हैं
415	लाले पड़ना	आर्थिक तंगी	बेकारी के कारण इन दिनों उसके घर में खाने के भी लाले पड़े हैं
416	विष उगलना	दुर्वचन कहना	शिशुपाल श्रीकृष्ण को सामने पाकर विष उगलने लगा
417	हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना	खाली बैठे रहना	हाथ पर हाथ धरे बैठे रहनेवालों की मदद भगवान भी नहीं करते
418	कोल्हू का बैल	कठिन परिश्रम करनेवाला	पैसा कमाने की धुन में वह बिलकुल कोल्हू का बैल बन गया है
419	तरस खाना	दया करना	मुझ गरीब पर तरस खाकर उन्होंने मुझे ये अनाज दिये हैं
420	तीन तेरह करना	अस्त व्यस्त करना, तितर बितर करना	मेरा सारा किया कराया तो तुमने तीन तेरह कर दिया, अब क्या लेने आये हो ?
421	पाँचों उँगलियाँ घी में होना	खूब फायदा होना	जब से गोपाल के पिताजी विदेश गये हैं, उसकी पाँचों उँगलियाँ घी में हैं
422	फूले अंग न समाना	अत्यधिक प्रसन्न होना	अपनी बेटी की शादी तय होने के संवाद सुनकर माँ फूले अंग न समा रही थी
423	बहती गंगा में हाथ धोना	ऐसी चीज से लाभ उठाना जिससे सब लोग उठा रहे हों	उन दिनों सरकार सुनारों को हर तरह की छूट दे रही थी, गंगू सुनार कब मौका चूकनेवाला था? उसने भी बहती गंगा में हाथ धो लिया
424	यश गाना	प्रशंसा करना, एहसान मानना	वह आज भी अपने मददगार का यश गाता है
425	श्रीगणेश करना	अच्छा काम शुरू करना	अजय अपनी दुकान का श्रीगणेश किस तिथि को करने जा रहे हैं ?
426	भाड़े का टट्टू	क्षणिक, निकम्मा, सिद्धांतहीन आदमी	अरे, तुम गणेश की बात क्या चलाते हो ? वह तो भाड़े का टट्टू है, जिसका खायेगा उसी का गायेगा